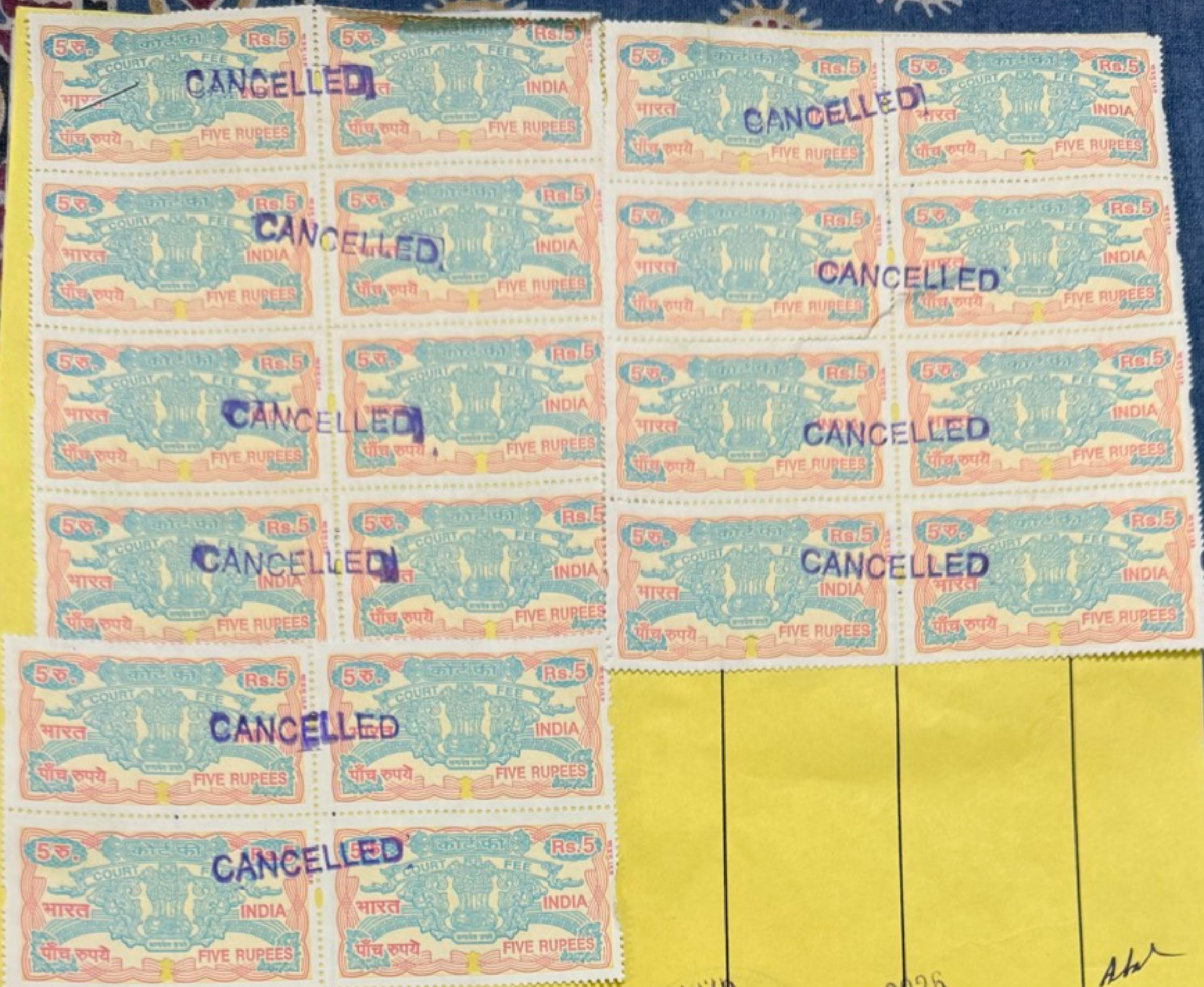




434
20.7.26



20 JUL 2026

20 JUL 2026

20 JUL 2026
9702 706 07



न्यायालय सिविल जज (जूनियर डिवीजन), मथुरा

वाद संख्या-

वर्ष- 2025

चौधरी अशोक

बनाम

श्रीमती माला

1. वाद संस्थित होने का दिनांक- 31-5-25
2. वाद का मूल्यांकन- ₹ 166.80
3. वादी अधिवक्ता का नाम- अशोक सिंह
4. प्रतिवादी अधिवक्ता का नाम-
5. वाद का प्रकार- एच ई लिमिटेड 25

31-5-2025

मुसरिम आख्या का अवलोकन किया। वाद नियमानुसार पंजीकृत हो।

प्रतिवादी को सम्मन वास्ते प्रस्तुत करने प्रतिवादपत्र आदि दिनांक 31-5-25 के लिए एवं वास्ते विरचित किए जाने वादबिन्दु दिनांक 31-5-25 के लिए नियमानुसार जारी किए जावे। वादी द्वारा इस हेतु पैरवी अंदर तीन दिन की जावे।

सिविल जज जूनियर डिवीजन
मथुरा।

31.05.25

पत्रावली माननीय जनपद न्यायाधीश मथुरा के आदेशानुसार
न्यायालय अपर सिविल जज (जूनियर डिवीजन)
न्यायालय संख्या 9 मथुरा में स्थानांतरित किया गया।

सिविल जज (जूनियर डिवीजन)
मथुरा



न्यायालय- अपर सिविल जज(जू०डि०)/न्यायिक मजिस्ट्रेट, कक्ष सं० 09 मथुरा।

मूलवाद सं०- 926/2025

चेतन शर्मा-----बनाम-----योगन्द्र पाल सिंह

दिनांक- 31.05.2025

पत्रावली पेश हुई। वादीगण के विद्वान अधिवक्ता को प्रार्थना-पत्र 6 ग मय शपथ पत्र 7 ग पर एकपक्षीय रूप से सुना तथा पत्रावली का सम्यक अवलोकन किया। वादीगण के द्वारा प्रार्थना-पत्र 6 ग के माध्यम से, प्रतिवादीगण को बजरिए अस्थाई निषेधाज्ञा वादपत्र में वर्णित एक किता सम्पत्ति खसरा नं० 204 रकवा 4.1320 है० में से .11973 है० बराबर 1197.30 वर्ग मीटर स्थित मौजा सुनरख बांगर तहसील व जिला मथुरा, जिसकी पैमाइश उत्तर व दक्षिण 80 फीट, पूर्व 156 फीट व पश्चिम 166 फीट, जिसकी सीमायें पूर्व खसरा नं० 213, पश्चिम शेष खसरा नं० 204, उत्तर खसरा नं० 208 व 211, दक्षिण मुख्य मार्ग वाद पत्र के अन्त पर दी गयी है तथा जिसे नक्शा वादपत्र में अक्षर ए०बी०सी०डी० से प्रदर्शित किया गया है, से वादीगण को बेदखल कर स्वयं कब्जा करने से सम्पत्ति पर निर्माण इत्यादि करने व सम्पत्ति पर पेट्रोल पम्प स्थापित करने से अथवा अन्य किसी प्रकार से वादीगण के शान्तिपूर्ण आधिपत्य में स्वयं व अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से हस्तक्षेप करने से निषेधित करने की सुविधा चाही गयी है। कागज सं० 11 ग सूची से एक किता असल विक्रय पत्र दिनांक 04.06.2024, एक किता असल विक्रय पत्र दिनांकित 10.02.2023 व एक किता नकल खतौनी दाखिल किया गया है। उक्त पंजीकृत बैनामा दिनांक 04.06.2024 के अनुसार प्रतिवादी संख्या 03 व प्रतिवादी संख्या 04 के द्वारा उक्त विवादित सम्पत्ति का पंजीकृत बैनामा क्रेता वादीगण के पक्ष में निष्पादित किया जाना उल्लिखित है। ऐसी स्थिति में यदि प्रतिवादीगण को विवादित आराजी के बाबत वादीगण के शांति पूर्ण अध्यासन में हस्तक्षेप करने से नियत तिथि तक रोका नहीं गया तो वादीगण को अपूर्णनीय क्षति होना एवं वाद दाखिल करने का उद्देश्य विफल होना सम्भाव्य है।

अतः उभयपक्ष को आदेशित किया जाता है कि वे नियत तिथि तक विवादित संपत्ति खसरा नं० 204 रकवा 4.1320 है० बराबर 1197.30 वर्गमीटर स्थित जिसकी पैमाइश उत्तर व दक्षिण 80 फीट, पूर्व 156 फीट व पश्चिम 166 फीट, जिसकी सीमायें पूर्व खसरा नं० 213, पश्चिम शेष खसरा नं० 204, उत्तर खसरा नं० 208 व 211, दक्षिण मुख्य सड़क पर वादीगण के कब्जा दखल के सम्बन्ध में यथास्थिति कायम रखें। वादीगण आदेश 39 नियम 3 सी.पी.सी. का अनुपालन अविलम्ब करें। यदि वादीगण द्वारा न्यायालय के आदेशानुसार सम्यक् रूप से पैरवी नहीं की जाती है तो यह आदेश स्वमेव निष्प्रभावी होगा अथवा किसी भी प्रकार का कोई भी तथ्य छिपाया गया होगा अथवा ऐसे तथ्य को न्यायालय के संज्ञान में नहीं लाया गया होगा जिसको न्यायालय के संज्ञान में लाना पक्षकार की जिम्मेदारी थी तो उस तथ्य के प्रकाश में आने पर उक्त आदेश स्वतः निष्प्रभावी समझा जायेगा। वास्ते आपत्ति निस्तारण प्रार्थना-पत्र 6 ग दिनांक 14.07.2025 की तिथि नियत कर प्रतिवादीगण असली को नोटिस जारी हो

अपर सिविल जज (जू०डि०), न्यायालय संख्या 09
मथुरा

प्रार्थनापत्र कागज सं०-08 ग

प्रार्थनापत्र पर 08 ग बाबत मौके की अमीन आख्या मंगाये जाने पर वादीगण के विद्वान अधिवक्ता को सुना। प्रार्थनापत्र 08 ग अमीन अदालत को मौका मुआयना कर मौके की आख्या प्रस्तुत करने व न्यायालय द्वारा पारित आदेश, नोटिस व सम्मन की तामील प्रतिवादीगण असली पर करने हेतु प्रस्तुत किया गया है। अदालत अमीन को आदेशित किया जाता है कि उभय पक्ष को सूचित करते हुए विवादित स्थल का निरीक्षण कर अपनी आख्या मय मानचित्र नियत तिथि तक न्यायालय में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। तदनुसार वादीगण आवश्यक पैरवी अन्दर तीन दिन करें।

प्रतिवादीगण असली पर सम्मन नोटिस नियमानुसार जारी हो। तदनुसार प्रार्थनापत्र 08 ग निस्तारित किया जाता है। पत्रावली नियत दिनांक 14.07.2025 को पेश हो।

अपर सिविल जज (जू०डि०), न्यायालय संख्या 09
मथुरा

प्रतिवादी से
 14/08/25
 पक्षधर को प्रस्तुत।
 वधि उपस्थित।
 प्रतिवादी स. 4 व 5 पर की गई
 लगन मोरिस की परकी
 वधरिमे रजिस्ट्रार डाक रजिस्ट्रार
 प्रक का. स. 16 व 17 व 18 पर
 पर लगान है। बिलम पदअंकित
 है कि प्रत्येक को ने लेने के
 उपर किया। अतः संप
 कालत लकीन करि। अतः
 प्रतिवादीगण पर की गई रजि
 वधर प्रक नही है। अतः
 14/08/25 को
 प्रक को वधर प्रक 60/100
 14/08/25 को



Abh
 14/8/25

for 4/9

Priyanka
 100 Pk
 4.9.25

14/08/25
 04/09/25

पक्षधर को प्रस्तुत।
 वधर को उपस्थित।
 वधर प्रक 60/100
 04/9/25 को प्रक को
 14/08/25 को

14/08/25

— मेमबर ७७०९७५५५
 ०९ १२६ १२०२५
 चलेनगुगे १ सोनेर ५/७

25/11

०४/०९/२५

प्रतिवादी
 से ३ वर
 सामान
 कागस १८५१/१
 लमीले सेजर
 पठावली पर मिलेन है

रामा मालात
 लमीले पामि
 वरि गतेवादि १ व २
 पर गतेवादि व सामान
 को फास ३ म
 पुनार से का
 वर W.S. / ३५५७ / ६५

दि १०/१०/२५
 प्रतिवादी से १ व २ पर
 जीप सामान १५५/२
 लमीले डिकर पठावली
 पर मिलेन है
 रामा मालात
 लमीले पामि
 वरि W.S. / ३५५७ / ६५

पर पठावली
 T.I. extended

पुनारवा प्रहारा
 वरि उपस्थित

प्रतिवादी व ३ वर सामान का १८५१/१
 लमीले सेजर पठावली पर मिलेन है
 वरि अवालन लमीले पामि वरि
 प्रतिवादी व १ व २ पर गतेवादि व

सामान को फास ३ म
 वरि को वरि W.S. / ३५५७ / ६५
 ६५ दि १०/१०/२५ प्रतिवादी
 व १ व २ पर गतेवादि वरि
 १५५/२ व लमीले डिकर

पुनारवा प्रहारा
 वरि अवालन लमीले पामि वरि
 वरि W.S. / ३५५७ / ६५
 वरि वरि T.I. ५५५/२५

Jmf

वरि वरि २००४
 वरि वरि २००५
 वरि वरि २१ वरि वरि
 वरि वरि ६, ७, ८ व १०
 वरि वरि वरि वरि वरि वरि
 वरि वरि

Jmf

② Himu
 10/10/25



10-10-25

10/10/25
 30/10/25

del. 1
 for 10/10/25
 30-10-25
 30-10-25
 30/10/25

P.O. मेमबर अवकाश पर है
 पठावली को W.S. / ३५५७ / ६५
 ६५ दि ३०/१०/२५ को पठावली

11-7-9

१८-१६
 १५५ /
 ३६ ३८
 ५२५५
 ५० ६८
 ६ ६३६२
 १८२ ५५५५

वाइ नं/मा - 926/25
 जेलन नं - मोगे-5 फल

2 वं A
 4

8/12/25
 11/12/25
 PX

02 वं

जंयुन 6 ज मा सुनिबव 1, 2, 6 ता 10
 को हुना जमा प्रतः 02 वं वाने सुनवई ता 10 को हुना जमा प्रतः
 वकी पेसा 3
 01.15 पल वकी कन जणपु
 3 ज सुव उतिउनेर शयनपत्र 30 क
 उहल हुनिना जमा वाने जमा
 31 ज 11
 12
 25

T-I 11
 12
 25

पतावली जमुल
 पसका 2 उतिउनेर
 जणपत्र 6 ज मा सुनिबव 1, 2, 6
 2 वं वाने सुनवई वकी
 पेसा 3 / 1.15 पल वकी 30
 जणपत्र 30 क उतिउनेर
 शयनपत्र 30 क उतिउनेर
 गमा / आनिफ आनिफ
 वाने जमा 11. 13
 11/12/25 को पेसा 3

ALL
 11-12-25



जंयुन 6 ज मा सुनिबव 1, 2, 6 ता 10
 को हुना जमा प्रतः 02 वं वाने सुनवई ता 10 को हुना जमा प्रतः
 वकी पेसा 3
 01.15 पल वकी कन जणपु
 3 ज सुव उतिउनेर शयनपत्र 30 क
 उहल हुनिना जमा वाने जमा
 31 ज 11
 12
 25

T-I 11
 12
 25

11/12/25
 पसका 2 उतिउनेर
 जणपत्र 6 ज मा सुनिबव 1, 2, 6
 2 वं वाने सुनवई वकी
 पेसा 3 / 1.15 पल वकी 30
 जणपत्र 30 क उतिउनेर
 शयनपत्र 30 क उतिउनेर
 गमा / आनिफ आनिफ
 वाने जमा 11. 13
 11/12/25 को पेसा 3

जम 8

del.
 18/12/25
 18/12/25
 18/12/25
 18/12/25

15/12/20
 18/12/25

अधि वक्तमाण न्यायिक कार्य मे
 विटहे वाने उतिउनेर
 सुनवई 3 ज मा सुनिबव 1, 2, 6
 18/12/25 को पेसा 3

जम 8

नाम मेरुमा 426/2025
 मेलन गरी - मेरुमा पक्ष

18/12/25

आदिपक्षवाला कानूनी दायरे
 वाले दुखेवाले आग 16 ग
 से 23/12/25 को मेरुमा
 का T. J. पक्ष - रहेगा

23
 12
 26

मेरुमा

जम

23/12/25
 2/1/26

मेरुमा
 हिम
 2/1/26

P.O. मेरुमा अवकाश पर है
 प्रतिवादी 1 व 2 के द्वारा कालानामा 33 ग
 दायित्व किया गया वारं 23 नवंबर
 आग/ 6 ग दिनांक 02/1/26 को
 पेश है T. J. पक्ष - रहेगा

T/C JM-9



02/01/26

पत्रावली पेश हुनी। पुकार पर
 पत्रकार उपस्थित हुए आग
 पर पत्रकारों के विचार
 मालिकों के लाना
 वारं शेष मुकदमे/कावेर
 दिनांक 07/01/26 को
 पेश है T. J. Hall them extended.

पुकार आग
 या पत्रकारों के
 पत्रकारों के विचार
 मालिकों के लाना
 वारं शेष मुकदमे/कावेर
 दिनांक 07/01/26 को
 पेश है T. J. Hall them extended.

07/01/26

पत्रावली पेश हुनी पुकार पर पत्रकार
 उपस्थित वारं आग आग आग आग
 ने पत्रकारों को आग को आग को
 आग आग आग के विचार से पुत्र आग रिपोर्ट
 रूप 15 ग/1 व 15 ग/2 का विचार आग आग
 आग आग आग के विचार से पुत्र आग रिपोर्ट
 दिनांक 12/01/26 को पेश है T. J. Hall them extended.

वाढमेल्पा १२६/२०२५
नेतनगर्ग - भोगेउ पाव

२६/५

१२/१/२६
१३/१/२६

१५/०१/२६

१५/०१/२६

अधिवक्तागण शोक प्रस्ताव
के काला प्राप्ति कार्य मे
विल है। वास्तु आ० १५०
१५०/१० १५०/२ ३०
१५/१/२६ को पेश है।
T.J प्रमाण

१५/१/२६
१६/१/२६
२३/१/२६

२३/०१/२६



अधिवक्तागण प्राप्ति कार्य मे
विल है। वास्तु आ० १५०
१५०/१० १५०/२ ३०
२३/१/२६ को पेश है।
T.J प्रमाण

२३/१/२६
२९/१/२६

प्रमाण प्रस्ताव
प्रमाण उपस्थित।
वास्तु आ० १५० १५०/१०
१५०/२ ३० २९/१/२६ को पेश
है। T.J प्रमाण

B. D.
for 29-1-26

२९/१/२६

$$2 \mid 2 \mid 26$$

46 முத்து
512 அப்பா

~~गुलका~~
~~गुलका~~

pp
of 1, 2, 6, 7, 8, 10 ✓

पतावली ग्रहण
अमीन रिपोर्ट/मिप पर
अपील अतिरिक्त डाटा
दाखिल की गयी। वांछित
सुनवाई दि. 2/2/26 को
पेश है। T-J यथावत।
7/9

$\frac{26}{T.I} \times \frac{02}{02}$

⑨ himself
2/2/26

$$2 \mid 2 \mid 26$$

17 | 2/28

~~for~~ del.
for 12/26.
Pujante
for 11/2/2



P. 0 महे/मा डीनग पाए १
 वाह लुगवि रिं
 ११/२/२६ को पडाये।
 न.३ जमावी।

11-11-9

11 | 02 | 26

Pr
dyno. 1, 2, 6, 7, 8, 10, 11

[illegible]

दिनांक 13.02.2026

निस्तारण प्रार्थना पत्र 31 ग

1. पत्रावली पेश हुई। पुकार पर उभयपक्ष मय विद्वान अधिवक्ता उपस्थित। पक्षकारों के विद्वान अधिवक्तागण को अमीन रिपोर्ट एवं मानचित्र कागज संख्या 15 ग/1 व 15 ग/2 एवं उक्त पर पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत की गयी आपत्तियों कागज संख्या 34 ग व 35 ग एवं प्रार्थना पत्र 31 ग पर सुना गया।

2. प्रार्थना पत्र 31 ग वादीगण द्वारा इस आशय का प्रस्तुत किया गया है कि अमीन द्वारा अपनी आख्या प्रतिवादीगण के दबाव में आकर सही तथ्यों को छिपाते हुए संपत्ति की पैमाइश नहीं दी गयी है। अतः अमीन को निर्देशित किया जाए कि वह अमीन आख्या में दर्शित अक्षर E, F से प्रदर्शित बाउंड्री की लंबाई तथा अक्षर E से 80 फीट मापकर विवादित संपत्ति की पैमाइश आख्या प्रस्तुत करें। चूंकि उक्त प्रार्थना पत्र वादी द्वारा अमीन आख्या एवं मानचित्र 15 ग के संदर्भ में प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त प्रार्थना पत्र का निस्तारण अमीन आख्या एवं मानचित्र 15 ग के साथ किया जाना न्यायहित प्रतीत होता है। मेरे द्वारा अमीन आख्या एवं मानचित्र 15 ग का अवलोकन किया गया। अवलोकन से स्पष्ट है कि अमीन द्वारा प्रस्तुत मानचित्र में विवादित संपत्ति को अक्षर A, B, C, D से दर्शित किया गया है परन्तु अमीन द्वारा उक्त की लंबाई, चौड़ाई दर्शित नहीं की है। यहां पर यह भी कहा जाना समीचीन होगा कि अमीन द्वारा अपनी आख्या में वादी संख्या 2 की ओर से उपस्थित राहुल सहगल के मौखिक रूप से बताये जाने पर अपने नक्शा नजरी में अक्षर E, F, A चिन्हित किया है। सर्वप्रथम उल्लेखनीय यह है कि उक्त राहुल सहगल न तो प्रस्तुत वाद में पक्ष मुकदमा हैं और न ही वह वादीगण की तरफ से प्रस्तुत वाद में नियुक्त विद्वान अधिवक्ता हैं। अमीन द्वारा अपने क्षेत्राधिकार का गलत रूप से प्रयोग करके प्रश्रुत संपत्ति के बाबत किसी अन्य व्यक्ति के मौखिक कथन करने पर उसे अपनी आख्या तथा मानचित्र में दर्शित किया है जोकि विधिसंगत नहीं है और न ही अमीन ने अपने मानचित्र में यह कहीं भी स्पष्ट किया है कि उनके द्वारा अक्षर E, F, A से जो दर्शित किया गया है वह क्या है? यहां पर यह कहा जाना समीचीन होगा कि जब विवादित संपत्ति की मौके की स्थिति स्पष्ट नहीं हो तब न्यायालय वहां पर सहायक अमीन के माध्यम से विवादित विषय को स्पष्ट करने के प्रयोजन से स्थानीय जांच करवाती है, परन्तु अमीन द्वारा विवादित विषय के संबंध में जो आख्या प्रस्तुत की गयी है वह अपूर्ण, अस्पष्ट एवं भ्रामक है। अतः अमीन आख्या एवं मानचित्र 15 ग/1 व 15 ग/2 उपरोक्त तथ्यों, परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए स्वीकार किये जाने योग्य नहीं है।

3. जहां तक वादी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र 31 ग के माध्यम से यह याचना की गयी है कि अमीन को यह निर्देशित किया जाए कि अमीन आख्या में अक्षर E, F से प्रदर्शित बाउंड्री की लंबाई तथा अक्षर E से 80 फीट माप कर विवादित संपत्ति की पैमाइशी आख्या न्यायालय में प्रस्तुत किया जाए तो उक्त के संबंध में यह कहा जाना समीचीन होगा कि वादी जिस अक्षर E, F की लंबाई तथा अक्षर E से 80 फीट माप कर पैमाइशी आख्या अमीन के माध्यम से प्रस्तुत कराना चाहता है उसे अमीन द्वारा अपनी

13/02/26

आख्या में विवादित संपत्ति के रूप में नहीं दर्शाया गया है। वादी द्वारा अपने प्रार्थना पत्र में जिस संबंध में अनुतोष चाहा गया है उसकी स्थिति उपरोक्त निष्कर्षानुसार अमीन आख्या एवं मानचित्र में स्पष्ट एवं अभिनिर्धारित नहीं है। अतः प्रार्थना पत्र 31 ग स्वीकार किये जाने नहीं है।

आदेश

अमीन आख्या एवं मानचित्र 15 ग/1 व 15 ग/2 निरस्त किया जाता है तथा वादी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र 31 ग को निरस्त किया जाता है। पक्षकारों की आपत्तियां तदनुसार निस्तारित की जाती हैं। अमीन को यह आदेशित किया जाता है कि वह पक्षकारों एवं उनके विद्वान अधिवक्तागण को पूर्व से सूचित करते हुए उनकी उपस्थिति में विवादित स्थल का निरीक्षण कर अपनी स्पष्ट आख्या दिनांक 06.03.2026 तक प्रस्तुत करें। पत्रावली वास्ते अमीन आख्या/मानचित्र दिनांक 06.03.2026 को पेश हो। वादी आवश्यक पैरवी अंदर समाह करें।

दिनांक 13.02.2026

(इशिका सिंह)

आई०डी०-UP3448

अपर सिविल जज (जू०डि०)/न्यायिक मजिस्ट्रेट,

न्यायालय संख्या 09, मथुरा



6/3/26

अधिवक्तागण - डोक गलाव के कारण
- पापलप के मोड़ से निकल रहे वादी
आख्या/मानचित्र 13/2/26 को
पेश हो। T.J. Jha

24
03
26

Hiwari
24/3/26

24/3/26

3/3/26

for 24/3/26

Hiwari
30/3/26

10/3/26
30-3-26

P.O. महोदय मुआपन से लाते हैं।
- पापलप के मोड़ से निकल रहे वादी
के प्रस्तावना में जमीन दावा अपनी आख्या
जाने दे दी गयी है। अमीन के मोड़ से निकल
जाता है कि वह आग्रह निगल लिये

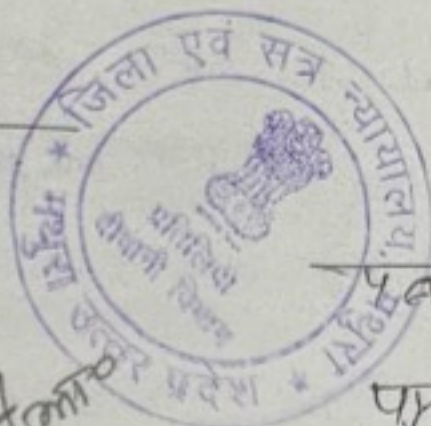
CS-926/25 31-09
 मोहनगढ़ - गोरेडु बाल शिशु

2/1 A

श्री आल्ला अथ मनीष ल प्रजात अक्षरे
 मन्-६० के लक्ष उक्त कोडा के अनुपलभ
 हो प्रस्तुत करे। कोपोलप लिपि के
 मद्र मोडलित रिपा जाला है कि वह
 मनीष के उक्त के मन्-६० में लिखकर
 गोविन्द लारे करे। पतावली वाते
 मनीष आल्ला / सुनवाई शरण ल
 डी० ३०/३/२६ को पेश है। (T.I. प्रमावी)
 लारु मनीष आल्ला / गोविन्द
 उक्त / व अक्षर / २ प्रश्न
 २ प्रश्न मनीष आल्ला
 वाते गोविन्द अक्षर
 दिनों के निमित्त को पेश है

30/3/26

7/4/26



पतावली प्र
 अक्षर को
 आल्ला को
 वा सुनवाई करे
 मनीष आल्ला
 दिनों के निमित्त
 10-04-26
 26

Prigmk
 for 7.4.26

पतावली प्रस्तुत
 पेश करे। आ प्रमाण ल
 पा सुनवाई हेतु सप्त पाननी
 रिपा प्रमा / वाते सुनवाई रिपा
 उक्त / ६ प्र डी० 7/4/26 का
 पेश है। (T.I. प्रमावी)
 26

07/04/26

17/04/26

पतावली प्रस्तुत /
 प्रमा 2 उक्त / वाते सुनवाई
 उक्त / ६ प्र डी० 17/4/26
 को पेश है। (T.I. प्रमावी)
 26

for 17-4-26

17/9/26
15/5/26
① निम्न
15/5/26

काउन्सिल ग्राफ पेश
वक्तु 60 प्रमाण 15/5/26
जो पेश हो
7.5 बजे - निम्न काउन्सिल
रहेगा

69140-7

27.4.26
PV DV
FI.
29.4.26

धुलारा पक्षलार उपय
वास्तु 60 फि 29/4/26
ओ पैका हो T व निम्न
निधि बल प्रभावी रहेगा

29/4/26



3002

29/4/26
K.P. Ad

29.4.26
T.I. P. DV
Arin Report 370
11.5.26

called out. Ld. Counsel for both the parties
appeared. Heard the Ld. Counsel for both the
parties in Arin Report 370, obj 380 & counter
obj 390. Put up on 11.5.26 for order. T. L. Chaudhary

K.P. Ad

3002

Date: 11.05.2026

Diposal of Amin Report 37C

ORDER

1. Case is today fixed for order on report 37C submitted by the Amin Commissioner. Ld.counsel for both the parties have already been heard on the previous date. Perused the record.
2. Plaintiff has filed his objection paper no.38C against the Amin report 37C mainly on the ground that the Amin Commissioner did not inform the plaintiff or his counsel before making inspection of the disputed property. The Amin report is incomplete and is insufficient to decide the matter in controversy between the parties. The previous Amin Report paper no.15C/1 to 15C/2 was rejected by the court by making specific observations that the Amin Commissioner had not shown the measurements of the boundaries disputed property in his report. The court had also observed that the said amin report was vague and misleading. Plaintiff states that it is necessary that the proper measurements of the boundaries of the disputed property comes before the court but the Amin Commissioner in order to provide undue advantage to the defendants is not deliberately submitting proper report before the court. Amin Commissioner without conducting survey of the disputed land has also specified the *khassra* numbers of the adjacent properties in his report. In the previous report paper no.15C the disputed land was shown with the letters A,B,C,D and Plot no.208 and 211 were shown to have existed in the north of the said disputed land. In the present amin report plot no.204 has been shown to exist in the north of the disputed land and the plaintiff's property, which was described in the previous amin report as plot no.213, has been shown to exist in the east. On the grounds as above, the plaintiff states that the Amin Report 37C deserves to be rejected.
3. Defendant no.1 & 2 have filed their counter-objections paper no.39C against the objections 38C of the plaintiff by stating that in compliance of the order dated 13.02.2026 the amin commissioner had informed the counsels of both the parties before making inspection of the disputed property as such the objection of the plaintiff that the amin commissioner in order to provide undue advantage to the defendants had made inspection of the disputed property without informing plaintiff or his counsel is false and unacceptable. As is evident from the plaint the plaintiff resides in Delhi as such the Amin Commissioner had informed the plaintiff's counsel and it was the duty of the counsel for the plaintiff to inform his party about the order of the court and the procedure to be carried out in compliance thereof. The inspection of the disputed property as conducted by the Amin commissioner is proper. The disputed property on which the plaintiff claims his ownership and the property of the defendants where the petrol pump is functioning have been shown in the amin report separately. The plaintiff has obtained ex-parte ad interim injunction from the court by concealing material facts and they now want to use the same in the form of permanent injunction. It is the plaintiffs burden to prove the identity of the disputed property and their possession thereon on the basis of sale deed but the plaintiffs want to collect evidence through the medium of amin report although they have no right to do so. The Amin Commissioner had in advance informed both the parties before making inspection of the disputed land but even after having complete information the plaintiff and his counsel failed to be present on the disputed spot at the time of inspection as the same cannot be a ground to reject the amin report.
4. From perusal of the record of the case it transpires that previously Amin Commissioner had made inspection of the disputed property and submitted his report alongwith map paper no.15C/1 to 15C/2 before the court on 07.07.2025. Objections from both the parties were invited against the said amin report and on the basis of the objections of the parties and after hearing both the parties the Amin Report paper no.15C was rejected

by the court vide its order dated 13.02.2026. One of grounds on which the Amin Report 15C was rejected by the court as specified in the order dated 13.02.2026 was that the disputed property was shown in the Amin Report with letter A,B,C,D but the length and breadth of the boundaries of the said disputed property was not specified by the amin commissioner. In its order dated 13.02.2026 the court had directed the amin commissioner to make inspection of the disputed property after informing both the parties and their counsel and conduct the inspection of the disputed property in their presence and thereafter submit clear and specific report before the court. In compliance of the aforesaid order dated 13.02.2026 the Amin Commissioner made inspection of the disputed property and submitted his report alongwith map paper no.37C/1 to 37C/2 before the court on 27.02.2026.

5. It has been stated by the Amin Commissioner in his report 37C that after informing the Ld.Counsels of both the parties he reached the disputed spot and made inspection of the disputed property in presence of the defendant no.6 & 8 and no one was present from the plaintiff's side on the disputed spot at the time of inspection of the disputed property. It is to be noticeable that the neither the copy of the writ issued to the amin commissioner nor any such notices served on the counsels for both the parties is available on record of the case which shows that prior intimation was given by the Amin Commissioner to the counsel for the parties before making inspection of the disputed spot. No spot memo has been prepared by the Amin Commissioner showcasing as to in whose presence the inspection of the disputed property was conducted by him nor the signatures of any independent local witnesses present on the spot have been obtained by him which depicts clear lapses on part of the Amin Commissioner in conducting inspection of the disputed land. A certified copy of the order dated 13.02.2026 is annexed with the amin report 37C showing endorsement of receiving information but again it does not specify as to actually who had received the information and endorsed their signature thereon.

Thus, there is no such material available on record of the case which shows that Amin Commissioner had informed the plaintiff's counsel before making inspection of the disputed land. The inspection was made in absence of plaintiff's counsel without preparing spot memo in accordance with law. Further, it is also to be pointed out here that the disputed land has been shown in the Amin Report 37C with the letters I,B,C,J, however, the measurements of the boundaries of the said disputed land have not been specified by the amin in his report as was directed by the court in its order dated 13.02.2026. So, in view of the discussions as above the Amin Report 37C clearly is in violation of court's order dated 13.02.2026.

6. It has been held by the Hon'ble Supreme Court in the case of **Ram Lal vs. Salig Ram, AIR 2019 SC 729** that "where the commissioner's report was found to be erroneous and contrary to the instructions of the court, the court should issue a fresh commission." In view of the legal position as above, since the Amin Report paper no.37C suffers from material discrepancies and is contrary to the instructions of the court, a fresh commission in presence of both parties is necessary for just adjudication. So, let fresh writ be issued to Amin Commissioner with the direction to make an inspection of the disputed property in their presence after informing both the parties in advance of the date and time of the inspection and submit thereafter his report to the court by 22.05.2026 on the following points :-

- (i) A map on scale of the disputed property as described in the plaint.
- (ii) To show in the map the constructions, trees and other relevant things standing and existing on the disputed property.
- (iii) To clearly specify the boundaries of the disputed property and its measurements in the map.

Plaintiffs are directed to take necessary steps forthwith. So fix 22.05.2026 for report of the Amin Commissioner. T.I Extended.

11.5.26
Addl.Civil Judge (Jr.Div)-II
Mathura



25 A

चौदव गम्भीर चौदुपाल

$$\begin{array}{r} 22/5/26 \\ \hline 02/7/26 \end{array}$$

2/17/26
for [Signature]

उत्तरा / पत्रा पेश हुआ
 व्यक्तिगत व्यक्ति कार्य में विरत है
 ग. इ. निधन विधि तब प्रकाशित है
 पत्रावली वाद में प्रकाशित है
 १। ग. विभाग ०२/१/२६ का पत्र है

Ques 2

2.7.24

P✓ D✓

2-7-16

下 1 .

9-7-26

Feb 9/126

वि. नं. १०००/२६

7-26

9-7-26 09/07/26

T.I. pr DV
colum. 011
Armer 1945
disposaj 1436

27-7-26

27-7-26
(9) him
27/7/26

पुनः पुनः पुनः

५३ ग ५०० / ५३ ग ५००, ५००
 ५००, ५५ ग ५००, ५५ ग ५००
 ५५ ग ५०० / ५५ ग ५००, ५५ ग ५००
 ५५ ग ५०० / ५५ ग ५००, ५५ ग ५००
 ५५ ग ५०० ५०-५०-५० ५५ ग ५००
 ५५ ग ५०० ५०-५०-५० ५५ ग ५००

252

प्रकारा पञ्चाट कवि अक्षर

वाणी द्वारा लवराज ५४ ग मप २ प ३ थ
पद्य ५५ ग या मिकु कि या गया ।
प्रतिवाणी गया द्वारा आपत्ति ५० ग दा मिकु
वाणी प्राप्ति कि गयी ।

बापू जी जन्मे !
 पला २ वार आयेले । निहारण मित्रान / ५३७
 रिपोर्ट २ २०२२ को वैद्य
 म निष्ठ रिपोर्ट हक २३५० रहेगी ।

50.2

17-7-26

File. produced by office today. Defendant
counsel has filed a certified copy of
the order of the Hon'ble High Court
dated 9.7.26 passed in Matter under
Article 227 No. 8962 of 2026, Devendra Pal
vs. Chetangay whereby Hon'ble High Court
has directed this Court to abide the
injunction appi. GC within a period of
one month. So, in view of the aforesaid
order of the Hon'ble High Court let the
case be taken up on the date already fixed
i.e. 27.7.26 for hearing on Amie kept appi. appi.
Both the parties are directed to co-operate in
the proceeding of the case so that the
order of the Hon'ble High Court may be
complied with in order letter & spirit.



JD-2

प्रमाणित प्रतिलिपी

प्रधान प्रतिलिपिक
जनपद एवं सत्र न्यायालय, मथुरा

20 JUL 2026